12 राजस्थान की चित्रकला शैलियाँ

1. **पिछवाई चित्रकला शैली कहाँ से संबंधित है?**
(1) नाथद्वारा (2) किशनगढ़
(3) केलादेवी (4) प्रतापगढ़ (1)

व्याख्या– नाथद्वारा शैली की मौलिक देन श्रीनाथ जी के स्वरूप के पीछे सजावट के लिए बड़े आकार के कपड़े के पर्दे पर बनाए गए चित्र है, जो पिछवाईयों के नाम से जाने जाते है।

2. **किसके शासन में निर्मित चित्रशाला (रंगीन चित्र) बूँदी शैली का श्रेष्ठ उदाहरण है?**
(1) राव शत्रुशाल (2) अनिरूद्ध सिंह
(3) सुर्जन सिंह (4) महाराव उम्मेद सिंह (4)

व्याख्या– महाराव उम्मेद सिंह ने बूँदी के राजमहल में 'चित्रशाला' का निर्माण करवाया, जिसमें बूँदी शैली के सर्वश्रेष्ठ चित्र अंकित हैं। इसी कारण इस चित्रशाला को 'भित्ति चित्रों का स्वर्ग' कहा जाता है।

3. **शेखावाटी क्षेत्र किसलिए प्रसिद्ध है–**
(1) हवेलियों पर भित्ति चित्रकला हेतु
(2) हाथी दांत पर चित्रकारी हेतु
(3) पिछवाईयों के निर्माण हेतु
(4) फड़ चित्रण के लिए (1)

व्याख्या– 19वीं सदी के मध्य से लेकर 20वीं सदी के प्रारम्भ तक शेखावाटी क्षेत्र के सेठों ने विशाल हवेलियों का निर्माण करवाया। इस क्षेत्र में फतेहपुर, लक्ष्मणगढ़, रामगढ़, मुकुन्दगढ़, नवलगढ़, मंडावा, बिसाऊ आदि स्थानों की हवेलियों पर भित्ति चित्रण हुआ है इसलिए शेखावाटी को 'ऑपन एयर आर्ट गैलेरी' कहा जाता है।

4. **किस चित्रकला शैली में कमला व इलायची नामक महिला चित्रकार थी?**
(1) देवगढ़ शैली (2) नाथद्वारा शैली
(3) किशनगढ़ शैली (4) अलवर शैली (2)

व्याख्या– नाथद्वारा शैली का उद्भव मेवाड़ महाराजा राजसिंह के समय 1672 ई. में सिहाड़ गाँव (नाथद्वारा) में श्रीनाथ जी मूर्ति की स्थापना के साथ हुआ। कमला व इलायची नाथद्वारा शैली की प्रमुख महिला चित्रकार थी।

5. **चित्रकला की किस शैली को प्रकाश में लाने का श्रेय डॉ. फैय्याज अली को है?**
(1) अलवर शैली (2) किशनगढ़ शैली
(3) बीकानेर शैली (4) नाथद्वारा शैली (2)

व्याख्या– किशनगढ़ शैली को प्रकाश में लाने का श्रेय एरिक डिक्सन व फैयाज अली को जाता है।

6. **'श्रावक प्रतिक्रमण सूत्र चूर्णि' नाम चित्रित ग्रंथ राजस्थान की किस शैली में है?**
(1) मेवाड़ शैली (2) किशनगढ़ शैली
(3) बूँदी शैली (4) नाथद्वारा शैली (1)

व्याख्या– मेवाड़ शैली का आरम्भिक चित्र 'श्रावक प्रतिक्रमण सूत्र चूर्णि' (सावग पड़िकमण सुत चुन्नी) 1260 ई. में महाराणा तेजसिंह के समय चित्रित हुआ था। इसका चित्रकार कमलचंद्र था, यह चित्र आहड़ मे ताड़ पत्र पर चित्रित किया गया था। वर्तमान में जैसलमेर संग्रहालय में है।

7. **1973 में भारत सरकार द्वारा राजस्थानी चित्रशैली के किस चित्र पर स्मरणीय डाक टिकट जारी किया गया?**
(1) मूमल (2) ढ़ोला मारू
(3) रागमाला (4) बणी ठणी (4)

व्याख्या– 5 मई 1973 को डाक विभाग द्वारा बणी ठणी पर 20 पैसे का डाकटिकट जारी किया था।

8. **चित्रकला शैली और प्रमुख चित्रकारों का कौनसा युग्म असुमेलित है?**

शैली		चित्रकार
(1) बूँदी शैली	–	रामलाल, सुरजन सिंह
(2) मेवाड़ शैली	–	चंपालाल, हीरालाल
(3) किशनगढ़ शैली	–	अमर चंद, निहालचंद
(4) मारवाड़ शैली	–	भाटी देवदास, भाटी शिवदास (2)

व्याख्या– चंपालाल व हीरालाल नामक चित्रकार नाथद्वारा शैली के चित्रकार थे।

9. **राजस्थान शैली की चित्रकला का आरम्भ कब से माना जाता है?**
(1) 14 वीं शताब्दी (2) 17 वीं शताब्दी
(3) 19 वीं शताब्दी (4) 16 वीं शताब्दी (4)

10. **सवाई रामसिंह द्वारा जयपुर में 'राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट्स' की स्थापना का वर्ष था–**
(1) 1864 ई. में (2) 1880 ई. में
(3) 1857 ई. में (4) 1889 ई. में (3)

व्याख्या– महाराजा रामसिंह द्वितीय ने 1857 ई. में जयपुर में 'महाराजा स्कूल ऑफ आर्ट्स' की स्थापना की, जो वर्तमान में 'राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट्स' के नाम से जानी जाती है।

11. **प्रसिद्ध चित्रकार धीमा, मीरबक्स, काशी एवं रामलखन राजस्थान की किस चित्रशैली से सम्बन्धित रहे है?**
(1) मारवाड़ी शैली (2) किशनगढ़ शैली
(3) नागौर शैली (4) उणियारा शैली (4)

Dhindhwal Publication Read and Achieve

12. 1426 ई. में चित्रित 'कल्पसुत्र' ग्रन्थ किस चित्रकला शैली के प्रारम्भिक चित्रों में से एक है?
(1) मेवाड़ शैली (2) मारवाड़ी शैली
(3) चावण्ड शैली (4) देवगढ़ शैली (1)

13. चावण्ड शैली के प्रसिद्ध चितेरे नसीरुद्दीन (निसारदीन) ने 'रागमाला' का चित्रण किस शासक के संरक्षण में किया?
(1) महाराणा प्रताप (2) जगतसिंह प्रथम
(3) महाराणा उदयसिंह (4) अमरसिंह प्रथम (4)

14. कागज पर निर्मित चित्र कहलाते हैं–
(1) पिछवाई (2) माण्डना (3) पाने (4) सांझी (3)

व्याख्या– कागज पर निर्मित देवी-देवताओं के चित्र 'पाने' कहलाते है। श्री नाथ जी के पाने सर्वाधिक कलात्मक होते है, जिन पर 24 शृंगारों का चित्रण पाया जाता है।

15. किशनगढ़ शैली के प्रसिद्ध चित्र 'बणी-ठणी' को किसने 'भारत की मोनालिसा' कहा?
(1) आनन्द कुमार स्वामी (2) एरिक डिक्सन
(3) सावंतसिंह (4) डब्ल्यू. एच. ब्राऊन (2)

16. रागमाला का प्रसिद्ध चित्रकार 'डालू' राजपूताना की किस शैली से संबद्ध है?
(1) कोटा शैली (2) मेवाड़ शैली
(3) बूँदी शैली (4) जोधपुर शैली (1)

व्याख्या– 1768 ई. में 'डालू' नामक चित्रकार द्वारा चित्रित रागमाला सैट कोटा शैली का सर्वाधिक बड़ा रागमाला सैट है।

17. राजस्थान की वह चित्रकला शैली, जिसमें सर्वाधिक चित्र कागज (वसली) पर बने होने के कारण इसे 'कागजी शैली' भी कहा जाता है।
(1) मेवाड़ शैली (2) मारवाड़ शैली,
(3) नाथद्वारा शैली (4) किशनगढ़ शैली (4)

18. कौनसी राजस्थान चित्रकला की विशेषता नहीं है–
(1) प्रकृति का बहुमुखी चित्रण
(2) लोक जीवन के चित्रण की उपेक्षा पूर्व अभाव
(3) विषयवस्तु की विविधता
(4) शृंगार एवं भक्ति का सुन्दर समन्वय (2)

19. राजस्थानी चित्रकला का सबसे पहले वैज्ञानिक विभाजन किसने किया–
(1) डब्ल्यू. एच. ब्राउन (2) एन.सी. मेहता
(3) आनंद कुमार स्वामी (4) ओ.सी. गांगुली (3)

व्याख्या– राजस्थानी चित्रकला का सबसे पहले वैज्ञानिक विभाजन आनंद कुमार स्वामी ने 'राजपूत पेंटिंग्स' नामक पुस्तक में 1916 ई. में किया था।

20. 'उस्ताद' कहलाने वाले चित्रकारों ने भित्ति चित्र किस नगर में बनाये है?
(1) जयपुर में (2) जोधपुर में
(3) उदयपुर में (4) बीकानेर में (4)

21. महाराव उम्मेदसिंह के शासनकाल में निर्मित बूँदी चित्र शैली का उत्कृष्ट रूप है–
(1) चित्रशाला (2) अजारा की ओवरी
(3) तस्वीरां रो कारखानो (4) सूरतखाना (1)

22. सूची-I (चित्रकारी शैली) का सूची-II (चित्र) के साथ मिलान करें–

सूची-I	सूची-II
(क) नाथद्वारा शैली	I – ढोला मारू
(ख) किशनगढ़ शैली	II– रागिनी भैरव
(ग) जोधपुर शैली	III– पिछवाई
(घ) बूँदी शैली	IV– बणी ठणी

	क	ख	ग	घ	
(1)	II	III	I	IV	
(2)	IV	II	III	I	
(3)	III	IV	I	II	
(4)	I	III	II	IV	(3)

23. सूची-I (चित्रकला शैली) का सूची-II (चित्रकार) के साथ मिलान करें–

सूची-I	सूची-II
(क) कोटा शैली	I – धन्ना, छोटू
(ख) अलवर शैली	II– लालचंद, लक्ष्मणदास
(ग) जयपुर शैली	III– रामप्रसाद, जगमोहन
(घ) किशनगढ़ शैली	IV– डालू, लच्छीराम

	क	ख	ग	घ	
(1)	II	III	I	IV	
(2)	IV	III	II	I	
(3)	III	IV	I	II	
(4)	I	III	II	IV	(2)

24. मेवाड़ शैली का आरम्भिक चित्र 'श्रावक प्रतिक्रमण सूत्र चूर्णि' किस वर्ष चित्रित किया गया था?
(1) 1260 ई. (2) 1275 ई.
(3) 1310 ई. (4) 1340 ई. (1)

25. जोधपुर शैली का प्रमुख चित्र 'उत्तराध्ययन' (1591 ई.) वर्तमान में किस संग्रहालय में सुरक्षित है?
(1) अजमेर संग्रहालय (2) बड़ौदा संग्रहालय
(3) जैसलमेर संग्रहालय (4) जोधपुर संग्रहालय (2)

26. सूची-I (चित्रकला शैली) का सूची-II (स्वर्णकाल) के साथ मिलान करें–

सूची-I	सूची-II
(क) नाथद्वारा शैली	I– महाराजा मानसिंह
(ख) चावण्ड शैली	II– महाराणा राजसिंह
(ग) जोधपुर शैली	III– अमरसिंह प्रथम
(घ) बीकानेर शैली	IV– महाराजा अनूपसिंह

	क	ख	ग	घ	
(1)	II	III	I	IV	
(2)	IV	III	II	I	
(3)	III	IV	I	II	
(4)	I	III	II	IV	(1)

Dhindhwal Publication

27. **राजस्थान चित्रकला का स्वर्ण युग माना जाता है?**
(1) 14वीं व 15 वीं शताब्दी (2) 15वीं व 16वीं शताब्दी
(3) 17वीं व 18वीं शताब्दी (4) 18वीं व 19वीं शताब्दी (3)

28. **किस शासक का शासनकाल 'राजस्थान में कलाओं का स्वर्णिम युग' माना जाता है?**
(1) महाराणा कुम्भा (2) महाराणा राजसिंह
(3) महाराजा अनूपसिंह (4) सवाई जयसिंह (1)

व्याख्या– राजस्थान की कलाओं का स्वर्णिम युग महाराणा कुंभा का शासनकाल माना जाता है। इसी कारण कुंभा को 'राजस्थान में चित्रकला का जनक' कहा जाता है।

29. **'मथेरण परिवार' ने राजस्थान की चित्रकला शैली में पारम्परिक जैन मिश्रित राजस्थानी शैली के चित्र बनाए?**
(1) जोधपुर शैली (2) जयपुर शैली
(3) बीकानेर शैली (4) अलवर शैली (3)

व्याख्या– बीकानेर की चित्रकला पर दो परिवारों (मथेरण परिवार व उस्ता परिवार) का विशेष प्रभाव रहा है। मथेरण परिवार पारंपरिक जैन मिश्रित राजस्थानी शैली के चित्र बनाने में सिद्धहस्त था। मुगल दरबार से आया उस्ता परिवार मुगल शैली के चित्र बनाने में कुशल था।

30. **राजस्थान की किस चित्रकला शैली के कलाकारों ने चित्रों में रंग न भरकर मोती, लाख तथा लकड़ी की मणियों को चिपका कर रीतिकालीन अलंकारिक 'मणिकुट्टिम' प्रवृति को बढ़ावा दिया?**
(1) जयपुर शैली (2) अलवर शैली
(3) बीकानेर शैली (4) मेवाड़ शैली (1)

Dhindhwal Publication

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें –

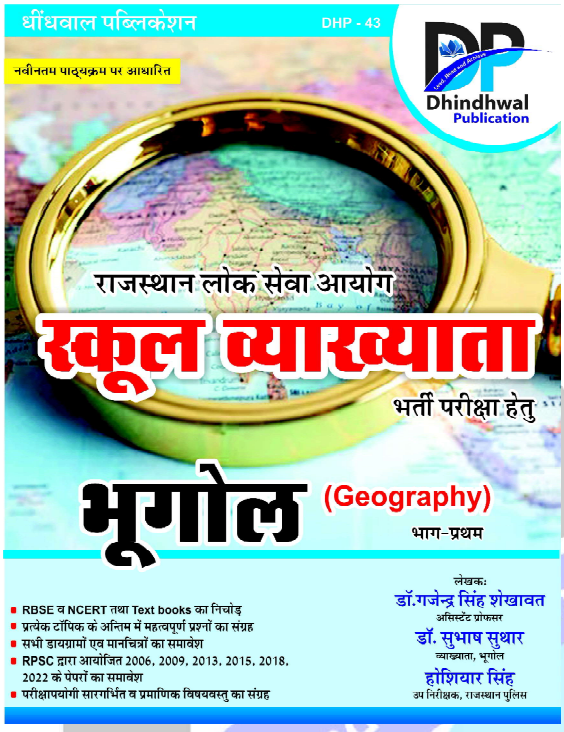

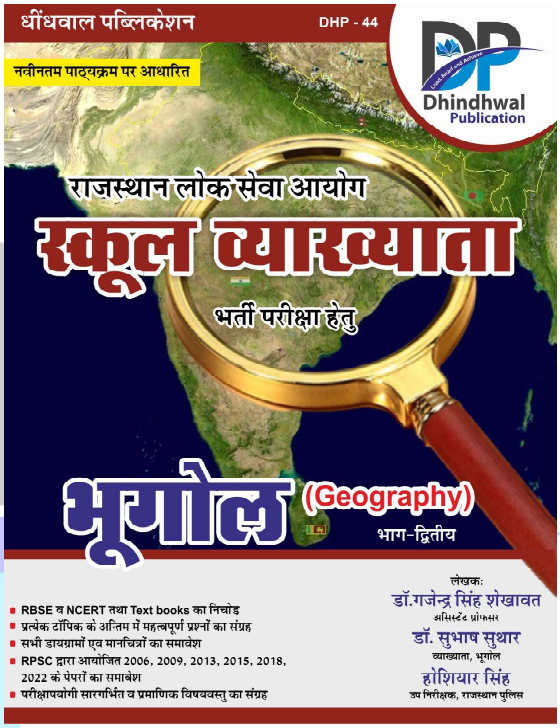

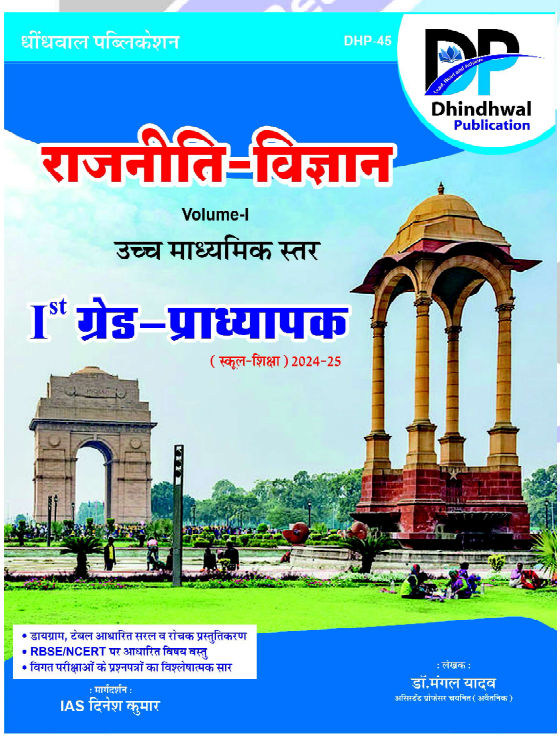

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

- Dhindhwal Publication
- धींधवाल पब्लिकेशन
- Dhindhwal Classes
- @Publication-DP
- Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध है। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।